सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री

Prime Minister

नई दिल्ली
चैत्र 04, शक संवत् 1943
25 मार्च, 2021

श्री अशोक गहलोत जी,

नमस्कार! मुझे उम्मीद है कि आप कुशल पूर्वक और स्वस्थ होंगे।

कोरोना महामारी के खिलाफ लड़ाई में देशवासियों के एकजुट प्रयासों ने इस बात को पुनः साबित किया है कि सामूहिकता हमारी कितनी बड़ी शक्ति है। साथ मिलकर हम किसी भी लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

राज्य सरकारें इस अभूतपूर्व चुनौती के समक्ष जिस दायित्वबोध के साथ कार्य कर रही हैं वह सराहनीय है। ऐसे ही एक और महत्वपूर्ण विषय की सफलता सुनिश्चित करने के लिए मैं आपको यह पत्र लिख रहा हूं।

21वीं सदी के भारत के लिए पानी की उपलब्धता बहुत जरूरी है। पानी हर घर, हर खेत की ज़रूरत तो है ही, जीवन के, अर्थव्यवस्था के हर पहलू के लिए भी उतनी ही आवश्यक है। आज जब देश तेज विकास की ओर अग्रसर है, तो जल सुरक्षा और प्रभावी जल प्रबंधन इसकी एक आवश्यक शर्त की तरह है। भारत के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य, भारत की आत्मनिर्भरता का संकल्प, हमारे जल स्रोतों पर और जल की सभी तक पहुंच पर निर्भर है।

जैसा कि आप जानते हैं, 22 मार्च 2021 को विश्व जल दिवस मनाया गया और इसी दिन जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देशव्यापी जल संरक्षण आंदोलन 'जल शक्ति अभियान: कैच द रेन' की शुरुआत की गई।

आंदोलन का आदर्श वाक्य "कैच द रेन: व्हेयर इट फाल्स, व्हेन इट फाल्स" सिर्फ एक नारा नहीं, एक प्रण की तरह है जो वर्षा के जल को बर्बाद न होने देने और मॉनसून की शुरुआत से पहले वर्षा जल के प्रबंधन और जल निकायों से जुड़ी तैयारियों पर बल देता है।

जल शक्ति अभियान के अंतर्गत हमारे सामूहिक प्रयासों में पारंपरिक और नवीनतम तकनीकों का समन्वय शामिल है। मौजूदा जल निकायों की डिजिटल मैपिंग के साथ-साथ वर्षा जल संचयन के लिए गड्ढों व पोखरों का निर्माण, तालाबों की साफ-सफाई, नदियों, झीलों और पुराने कुंओं का कायाकल्प व बांधों और तटबंधों की जांच करते हुए, अतिक्रमणों को हटाकर जितना संभव हो उतना बारिश के पानी को संग्रहित करना हमारा लक्ष्य है।

मेरा आपसे आग्रह है कि जल संरक्षण योजनाओं को लागू करने, विभिन्न हितधारकों और समुदायों को इस अभियान से जोड़ने, सम्बंधित विभागों के साथ वर्षा जल संग्रहण हेतु रणनीति तैयार करने और उसे क्रियान्वित करने के कार्य आप अपने नेतृत्व में तत्परता से आगे बढ़ाएं।

इस अभियान में जनभागीदारी अहम् है। भावी पीढ़ियों के लिए जन-जन से ऊर्जित यह अभियान, जल-सुरक्षा की दिशा में बहुत बड़ा कदम है। आशा है इस आंदोलन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के दौरान कोविड-19 से जुड़ी सावधानियों का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

मुझे विश्वास है की वर्षा जल की बूंद-बूंद को बचाने के इस अभियान को आपकी प्रतिबद्धता एक नई ताकत देगी।

शुभकामनाओं सहित,

आपका

(नरेन्द्र मोदी)

श्री अशोक गहलोत
मुख्यमंत्री, राजस्थान
मुख्यमंत्री कार्यालय
सचिवालय
जयपुर- 302005